रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 28 मई, 2026

वर्ष-2 | अंक-125 | कुल पृष्ठः8-Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

नौतपा में तप रहा मध्यप्रदेश

16 शहरों में 44 पार पारा, अब 3 दिन बारिश-आंधी के आसार

भोपाल।मध्यप्रदेश में नौतपा की शुरुआत भले ही आंधी और बूंदाबांदी के साथ हुई हो, लेकिन गर्मी का सितम कम नहीं हुआ।

प्रदेश के 16 शहरों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि 28 मई से अगले तीन दिन तक कई जिलों में प्री-मानसून एक्टिविटी तेज हो सकती है। तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

खजुराहो और नौगांव बने हीट सेंटर

मंगलवार को छतरपुर का खजुराहो प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नौगांव में पारा 45.6 डिग्री तक पहुंच गया। दतिया में 45.2 डिग्री, दमोह, सतना और टीकमगढ़ में 45 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। रीवा 44.8 डिग्री और राजगढ़ 44.6 डिग्री के साथ भीषण गर्मी की चपेट में रहे। ग्वालियर, श्योपुर, गुना, नरसिंहपुर, सागर, मंडला, मुरैना और रायसेन समेत कई शहरों में भी पारा 44 डिग्री के आसपास पहुंच गया। बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ज्यादा गर्म रहा, जहां तापमान 44.1 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 43.2 डिग्री, जबलपुर में 43.9 डिग्री, उज्जैन में 42 डिग्री और इंदौर में 41.2 डिग्री तापमान रहा।

नौतपा में पहली बार नहीं बदला मौसम

भोपाल में नौतपा के दौरान बारिश या बूंदाबांदी का सिलसिला नया नहीं है। पिछले 14 साल में 7 बार नौतपा के दौरान बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि 2 बार हल्की बूंदाबांदी हुई थी। इस बार भी शुरुआती दिनों में मौसम ने करवट ली है। हालांकि 2018 और 2019 जैसे साल में नौतपा के दौरान रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी थी और औसत तापमान 43 डिग्री से ऊपर पहुंच गया था।

कई जिलों में लू और तीव्र लू का अलर्ट

रेड अलर्टः निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा।

ऑरेंज अलर्टः ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, सीधी, सिंगरौली, मंडला, बालाघाट समेत 19 जिले।

येलो अलर्टः भोपाल, उज्जैन, विदिशा, रायसेन, सीहोर, देवास, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर सहित 22 जिले।

इधर, इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, हरदा और नर्मदापुरम जैसे जिलों में तेज गर्मी का असर बना रहेगा।

दोपहर में बाहर निकलने से बचने की सलाह

मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को दोपहर 12 से 3 बजे के बीच विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलें, पर्याप्त पानी पीते रहें और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चों और बुजुर्गों को खास सतर्क रहने को कहा गया है।

अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर से प्रधान आरक्षक को कुचला

बालाघाट. बालाघाट में अवैध रेत कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करना पुलिसकर्मियों के लिए जान जोखिम में डालने जैसा होता जा रहा है। मंगलवार देर शाम पलाकामथी इलाके में रेत माफिया ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। अवैध रेत परिवहन रोकने पहुंचे प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले को ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। घटना में उनकी दो पसलियां टूट गईं और शरीर में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। घायल पुलिसकर्मी की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को पलाकामथी क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही प्रधान आरक्षक राजेश्वर राहंगडाले और आरक्षक सुनील विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने रेत से भरे ट्रैक्टरों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक को रोककर प्रधान आरक्षक उसका वीडियो बना रहे थे, तभी चालक ने अचानक ट्रैक्टर तेज गति से उनकी ओर बढ़ा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, प्रधान आरक्षक कुछ समझ पाते उससे पहले ट्रैक्टर उन्हें टक्कर मारते हुए निकल गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। साथी पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल प्रधान आरक्षक को जिला अस्पताल पहुंचाया।

एमपी में शराब दुकानों पर सख्ती बढ़ी, ओवर रेटिंग और अवैध अहातों पर चलेगा विशेष अभियान

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत शराब दुकानों और अवैध गतिविधियों पर सख्ती बढ़ाने का फैसला किया है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेशभर में आबकारी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि शराब दुकानों पर ओवर रेटिंग, तय समय के बाद बिक्री और अवैध रूप से संचालित शॉप बार जैसी गतिविधियों के खिलाफ राज्यव्यापी विशेष अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले मदिरा ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानों को पूरी तरह "ऑफ श्रेणी" घोषित किया गया है। इसके तहत दुकान परिसर या आसपास शराब सेवन की अनुमति नहीं होगी। अवैध अहातों और उपभोग स्थलों को बंद कराने के लिए विशेष दल गठित कर औचक निरीक्षण किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब दुकानों के खुलने और बंद होने के निर्धारित समय का सख्ती से पालन कराया जाएगा। इसके लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें निगरानी करेंगी। वहीं उपभोक्ताओं से तय कीमत से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों को रोकने के लिए दुकानों पर शराब की दरें प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। साथ ही पारदर्शिता के लिए दुकानों पर क्यूआर कोड भी लगाए जाएंगे, ताकि ग्राहक वास्तविक कीमत की जांच कर सकें।

सनराइज फिजिकल अकादमी ने म. प्र. पुलिस मे चयनित अभ्यर्थियों का किया सम्मान

प्रशिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों का समर्पण से ही सफलता हासिल होती है :- प्रमोद मावई

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर। सपनों को हकीकत में बदलने वाले युवाओं के सम्मान में बुधवार को मेला ग्राउंड में उत्साह, गर्व और प्रेरणा का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहर की प्रतिष्ठित सनराइज फिजिकल अकादमी द्वारा मध्य प्रदेश पुलिस में चयनित छात्र-छात्राओं के सम्मान में बुधवार को मेला ग्राउंड में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में अकादमी से चयनित सभी अभ्यर्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन अकादमी के कोच प्रमोद मावई एवं अजीत मावई द्वारा आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि युवा पत्रकार दिव्यानंद अर्गल (नवभारत, ग्वालियर) रहे। इसके साथ ही जिम ट्रेनर अमित कोटिया एवं मैथ्स टीचर गौरभ मावई भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अकादमी के कोच प्रमोद मावई ने कहा कि यह अकादमी पिछले कई वर्षों से युवाओं को पुलिस, सेना एवं अन्य प्रतियोगी सेवाओं के लिए शारीरिक प्रशिक्षण, अनुशासन और उचित मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। प्रशिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों के समर्पण का ही परिणाम है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का चयन मध्य प्रदेश पुलिस में हुआ है। कार्यक्रम के दौरान चयनित अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने कठिन संघर्ष, निरंतर मेहनत और अनुशासित जीवनशैली के माध्यम से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को सफलता के टिप्स भी दिए और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सलाह दी। अकादमी के कोच अजीत मावई ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल युवाओं का चयन कराना नहीं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और देश सेवा की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार और ईमानदार अधिकारी बनना ही वास्तविक सफलता है। मुख्य अतिथि पत्रकार दिव्यानंद अर्गल ने चयनित अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्दी पाने के लिए सभी युवाओं ने कठिन संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्दी की गरिमा और सम्मान को हमेशा बनाए रखें तथा ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने युवाओं से देश और जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। समारोह में मध्य प्रदेश पुलिस में अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों में रघुराज कुशवाह, दीपक धाकड़, राहुल गुर्जर, सिमरन, चांदनी तोमर, अंकिता, रबीसा गौतम, शिवानी कुशवाह, मोहिनी शिरोमणि, सांक्षी श्रीवास्तव, शैलेन्द्र परिहार, पंकज कौशिक, विकास उच्चरिया, इमरान खान एवं सतेंद्र कटारे को सम्मानित किया गया।

इसके अलावा मध्य प्रदेश पुलिस में पूर्व में चयनित होकर ट्रेनिंग से लौटे रसाल गोयल, प्रदीप बरेलिया, पंकज अटल, लोकेंद्र धाकड़ एवं गिर्राज सहित अन्य युवाओं को भी सम्मानित किया गया। अन्य क्षेत्रों में चयनित अभ्यर्थियों को भी अकादमी द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। इनमें शिवानी चौहान (आईटीबीपी), शिवानी राजावत (यूपी पुलिस) एवं योगेश यादव (असिस्टेंट कमांडेंट) प्रमुख रहे। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों को स्वल्पाहार कराया गया। अंत में अकादमी की ओर से सभी चयनित अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान ताई ने कराया पंजीयन, जमा किए 200 रुपये

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाले भाजपा इंदौर जिला प्रशिक्षण वर्ग हेतु जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं पद्मभूषण आदरणीय श्रीमती सुमित्रा महाजन (ताई) के निज निवास पहुंचकर आत्मीय भेंट की तथा उन्हें प्रशिक्षण वर्ग का निमंत्रण पत्र भेंट कर सादर आमंत्रित किया।

इसके साथ ही नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, विधायक मनोज पटेल सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के निवास पर पहुंचकर प्रशिक्षण वर्ग का निमंत्रण पत्र भेंट किया एवं कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। इस अवसर पर ताई ने स्वयं पंजीयन कराते हुए 200 रुपये का पंजीयन शुल्क जमा किया। संगठन के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन, सादगी एवं कार्यकर्ता भाव उपस्थित कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बना । जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा के साथ जिला प्रभारी अजय सिंह नरूका, जिला महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, युवा मोर्चा जिला महामंत्री दीपक यादव एवं भाजपा सह कार्यालय मंत्री रवि जैन उपस्थित रहे।

अधिक तापमान में रखें सभी नागरिक स्वास्थ्य का ध्यानः मुख्यमंत्री

बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने का किया आहवान

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़े हुए तापमान और अधिक गर्मी से होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रदेशवासियों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने और बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी देश के विभिन्न भागों में तापमान के लगातार बढ़ने और दैनिक जीवन में गर्मी से होने वाली कई कठिनाइयों के बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए देशवासियों से अधिक से अधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से स्वयं और विशेष रूप से बच्चों को हाइड्रेटेड बने रहने और घर से बाहर निकलते समय अपने साथ वॉटर बॉटल रखने पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्यासे व्यक्तियों को पानी उपलब्ध करवाने के लिए अपने घरों और दुकानों के बाहर मटके में पेयजल की व्यवस्था रखने वाले सेवाभावी नागरिकों की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड आदि स्थानों पर यात्रियों को पानी पिलाने वाले सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों को इस नेक कार्य के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई है।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

इंदौर-आगाज़ इंडिया

कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री धर्मेंद्र जोशी, के नेतृत्व में दिनांक-27/05/2026 को वृत्त- बंबई बाजार के प्रभारी उप निरीक्षक मीरा सिंह की टीम के द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

आज की कार्यवाही में दौराने गस्त शंका के आधार एक दोपहिया वाहन (ACTIVA SCOOTER WHITE COLOUR) MP09CH5872 नंबर की पलसीकर मेंन रोड की ओर एक थैले में कुछ भरकर ले जा रहा था जिसको हमारे द्वारा रोका गया जिसमे तलाश करने में 50 पाव देशी मदिरा प्लेन(9 बल्क लीटर) एवं गाड़ी की डिक्की खोल के देखने पर 75 पाव देशी मदिरा प्लेन(13.5 बल्क लीटर) बरामद कुल 22.5 बल्क लीटर देशी मदिरा बरामद हुआ। मदिरा एवं वाहन का अनुमानित मूल्य 54500/- है। आरोपी का नाम अमित पिता रामलखन शर्मा उम्र 34 वर्ष निवासी 5A श्रृष्टि पैलेस छोटा बांगड़दा इंदौर पकड़ा गया।

आरोपी अमित की सूचना के आधार पर एक दो पहिया वाहन हीरो स्प्लेडनर (MP 09 AX 3999) महूनाका मैन रोड की और जा रहा था को हमारे द्वारा रोका गया जो बोरे में भरकर 100 पाव देशी मदिरा (50 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 50 पाव देशी मदिरा मसाला) कुल 18 बल्क लीटर देशी मदिरा बरामद एवं एक वाहन बरामद हुआ जिनका अनुमानित बाजार मूल्य 81150 आरोपी किशोर पिता राजकुमार जाति कोरी उम्र 35 वर्ष निवासी- 63 इंद्रानगर इंदौर दोनों आरोपी पर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) 'क' का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इस तरह कुल दो आरोपी एवं दो वाहन एवं कुल जप्ती 40.5 बल्क लीटर जिनका अनुमानित बाजार मूल्य 145650 रुपए है। आज की कार्यवाही में आरक्षक मोहित कछवाय, मोहित रायकवार और ड्राइवर अमित का सराहनीय योगदान रहा।

हर जिला अपनी अर्थव्यवस्था बनाने की पहल करे

भोपाल. मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अपनी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में संवेदनशील प्रयास करे। लोक सेवा गारंटी, सी.एम. हेल्पलाइन और जनसुनवाई राज्य शासन के सुशासन के पैमाने हैं। सभी अधिकारियों को आमजन से जुड़े मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर संवेदनशील होकर कार्य करना होगा। उन्होंने अवैध गतिविधियों को सख्ती से रोकने और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक के साथ योजनाओं, कार्यक्रमों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आत्मिक अनुशासन को पाने का सहज, सरल मार्ग — सहजयोग

आज का युग तीव्र भागदौड़, मानसिक तनाव और अस्थिरता का दौर है। ऐसे समय में संपूर्ण विश्व आध्यात्मिक ध्यान योग की ओर अग्रसर हो रहा है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित सहजयोग ध्यान पद्धति को विश्वभर में मान्यता प्राप्त हो चुकी है। विदेशों में हुए अनेक शोधों ने भी यह सिद्ध किया है कि सहजयोग मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है।

परम पूज्य श्री माताजी का संदेश अत्यंत सरल और गहन है — "मनुष्य को स्वयं पर दया करनी चाहिए और अपनी आत्मा को प्रकाशित करने का संकल्प लेना चाहिए।सहजयोग हमें यह अनुभव कराता है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि शुद्ध आत्मा है। जब साधक श्रद्धा और सहजता से श्री माताजी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर पूछता है "हे माँ, क्या मैं आत्मा हूँ?", "हे माँ, क्या मैं स्वयं का गुरु हूँ?" तो भीतर प्रवाहित होने वाली चैतन्य लहरियाँ स्वयं उत्तर देने लगती हैं। यह अनुभव शब्दों से परे, पूर्णतः आत्मिक होता है। इस आत्मिक संवाद से पूर्व मनुष्य को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होता है, जो सहजयोग में अत्यंत सरल और स्वाभाविक प्रक्रिया है। आत्मसाक्षात्कार से पूर्व गुरु माँ होती हैं, किंतु आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक स्वयं अपना गुरु बन जाता है। यही वह अवस्था है जहाँ मनुष्य स्वयं को पहचानना प्रारंभ करता है। अपने भीतर स्थित आत्मा का बोध और स्वयं के गुरु होने का अनुभव जीवन का सर्वोच्च ज्ञान है। सहजयोग एक मौन ध्यान साधना है, जिसमें धीरे-धीरे विचारों का प्रवाह शांत होने लगता है। अनावश्यक चिंताएँ और मानसिक अशांति सहज रूप से पंचतत्व में विलीन होने लगती हैं। साधक विचारशून्यता की अवस्था में प्रवेश करता है — जहाँ विचार रुक जाते हैं, परंतु जागरूकता पूर्णतः बनी रहती है। इसी अवस्था में मनुष्य भीतर से सुख, शांति और दिव्य ऊर्जा का अनुभव करता है।

यह आध्यात्मिक स्थिति न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि जीवन में उत्साह, संतुलन और सकारात्मकता का संचार भी करती है। अपनी आत्मा को पहचानकर ईश्वरीय अनुकंपा का अधिकारी बनना प्रत्येक मनुष्य के लिए अत्यंत रोमांचकारी और कल्याणकारी अनुभव है। आइए, हम सभी मिलकर आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें — जो पूर्णतः निशुल्क, सरल और सदैव उपलब्ध है।

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार के द्वारा श्री दौलत सिंह पडोलिया पुत्र स्वर्गीय श्री बलवन्त सिंह पडोलिया एवं श्रीमती मधु बाई पडोलिया पत्नी श्री दौलत सिंह पडोलिया निवासीगण मकान नं. 235, वार्ड नं. 77, ग्राम केलोद कतील, तहसील व जिला इन्दौर, के मालिकी एवं अधिपत्य मे मकान नं. 235, वार्ड नं. 77, ग्राम केलोद कर्ताल, तहसील व जिला इन्दौर, कुल रकबा 62.73 वर्गमीटर, का सौदा किया है तथा इस पेटे आंशीक बयाना राशी भी अदा कर दी है। यदि उक्त भूमि को मेरे पक्षकार के द्वारा खरीदने पर अगर किसी को कोई आपत्ति हो व यदि सदर संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, वारीस निकाय आदि का किसी भी प्रकार का भार अथवा बोझ (जैसे कर्ज, जमानत, मेन्टेनेंस, अटेचमेंट, डिक्री आदि) हो या शासकीय, अर्द्धशसकीय विभाग नजुल विभाग को इस विक्रय व्यवहार से आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिनो मे आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत करे अन्यथा अवधि गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर मेरे पक्षकार उक्त भूमि विक्रेता से पंजिकृत विक्रय लेख अपने पक्ष में करवा लेंगे और इसके पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति स्वीकार नही की जाएगी।

आम जनता की सूचनार्थ

अभिभाषक
विकास भारद्वाज
स्कीम न0 114 पार्ट -1, सन्त नगर
मोबाइल नं. 792778128 393,
मोबाइल न० 7027078128

प्रेषक
विकास भारद्वाज
Mobile: 70270-78128

गरीबों के हक पर डाका

सिरसौद की उचित मूल्य दुकान पर राशन में कटौती का आरोप, 2 किलो कम अनाज देकर वसूले 10 रुपये

दो महीने बाद मिला राशन, ग्रामीणों में आक्रोश; जांच और कार्रवाई की मांग

रणजीत टाइम्स*शिवपुरी जिला ब्यूरो चीफ हेमंत भार्गव

करैरा। शिवपुरी जिले की करैरा तहसील अंतर्गत ग्राम सिरसौद स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान पर राशन वितरण में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि महिला बहुउद्देशीय संस्था कलोथरा द्वारा संचालित दुकान के सेल्समैन सुमित लोधी हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा से कम राशन दे रहे हैं तथा अतिरिक्त राशि की वसूली भी की जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार कई राशन कार्डधारियों को दो महीने बाद राशन मिला, लेकिन उसमें भी 2 किलो गेहूं कम दिया गया। आरोप है कि प्रत्येक हितग्राही से 10 रुपये अतिरिक्त लिए गए। इसको लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा गरीब परिवारों के लिए भेजे जाने वाले राशन में कटौती कर उनके हक पर डाका डाला जा रहा है। जब हितग्राहियों ने कम राशन दिए जाने का विरोध किया तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

शासन के स्पष्ट निर्देश

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत पात्र परिवारों को निर्धारित मात्रा में मुफ्त अथवा रियायती दर पर गेहूं, चावल सहित अन्य खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश हैं। राशन वितरण के लिए ई-POS मशीन से आधार आधारित वितरण प्रणाली लागू की गई है, ताकि फर्जीवाड़ा और गड़बड़ियों पर रोक लगाई जा सके। इसके अलावा राशन दुकानों के स्टॉक और वितरण संबंधी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर

दर्ज करने के निर्देश भी शासन द्वारा दिए गए हैं, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। बावजूद इसके सिरसौद की दुकान पर अनियमितताओं के आरोप प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में गरीबों के हक के साथ खिलवाड़ न हो।

इनका कहना है...

"मुझे राशन की दुकान से 20 किलो गेहूं और 8 किलो चावल दिए गए, जिसमें 2 किलो गेहूं कम था और 10 रुपये भी लिए गए।"

— पुष्पेन्द्र लोधी, स्थानीय नागरिक

नशे से दूरी है जरूरी

जिला प्रशासन इन्दौर का नशा मुक्ति अभियान

इंदौर/आदित्य शर्मा

कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा लगातार नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बायपास रोड मंगल्या पहुंचकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की खुशियों को भी प्रभावित करता है। अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन

अपनाने एवं समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य एवं जुनून पर ध्यान केंद्रित करना ही एक सफल एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का मार्ग है।

स्वस्थ जीवन, सफल भविष्य और देश के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आबकारी विभाग के इस जनहितकारी अभियान की सराहना की। विभाग द्वारा भविष्य में भी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार जागरूकता अभियान चलाए जाने की बात कही गई। इसी क्रम में कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में दिनांक 26 मई 2026 को एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में विशेष जनजागरण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जी.एन. दरव्हेकर, डायरेक्टर, एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च एवं प्रो. रवि शर्मा, एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर, एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च की विशेष उपस्थिति एवं सहयोग रहा। अभियान के दौरान एडीईओ धर्मेंद्र जोशी, अनिल माथुर, राघवेन्द्र सिंह कुशवाह, जहांगीर खान, गोपाल यादव, कमलेश सोलंकी, प्रीति चौबे तथा उप-निरीक्षक मीरा सिंह, जाया मुजाल्दे, प्रियंका रानी चौरसिया एवं उनकी टीम उपस्थित रही। आज के अभियान में आरक्षक श्री कैलाश अखंडे का सराहनीय योगदान रहा।

बिटियों पर लेख _

"बात भाव कि नही भय की

समाज बदलेगा, तभी बेटियाँ मुस्कुराएँगी"

-डॉ पवन आर्य राष्ट्रीय प्रभारी सुदर्शन न्यूज (राष्ट्रनिर्माण)

पुत्र का जन्म क्यों होता है?

आचार्य शरद स्वरूप जी कहते हैं कि पुत्र, पिता का दूसरा जन्म होता है, पुत्र का जन्म पिता का ऋण चुकाने के लिए होता है। लेकिन अगर आप पर पिछले जन्म का कर्ज नहीं है तो बेटा नहीं बेटी पैदा होगी और कन्यादान करने पर आप पर आने वाले जन्म-जन्मों का कर्ज़ पहले से ही मिट जाता है।

जितनी ज़्यादा बेटियां उतने जनम सुखमय:

आजकल लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही हैं जहाँ किसी बेटी की मौत को कभी आत्महत्या कहा जाता है, कभी हत्या, और कभी सच्चाई वर्षों तक धुंध में खोई रह जाती है। कानून अपना काम कर रहा है, सरकार और न्यायपालिका भी सक्रिय हैं लेकिन एक सवाल है जो हर घटना के बाद मन को भीतर तक झकझोर देता है - क्या ये बेटियाँ उस दिन मरीं, या वे मानसिक रूप से बहुत पहले ही टूट चुकी थीं? किसी घटना के बाद समाज अचानक जाग जाता है। लोग कहते हैं -"अगर परेशान थी तो बताया क्यों नहीं?" "इतनी पढ़ी-लिखी थी, कोई और रास्ता चुन लेती""इतना सब सहन क्यों किया?" पर क्या हमने कभी सचमुच यह जानने की कोशिश की कि वह कहना किससे चाहती थी? क्या कोई उसे बिना जज किए सुनने के लिए तैयार था? क्या उसके चेहरे की थकान, उसकी खामोशी, , गुस्सा, उसकी बुझती हुई मुस्कान किसी को दिखाई नहीं देती थी? सच तो यह है कि अक्सर लोग सब समझते हैं, पर स्वीकार नहीं करना चाहते।

हमारे समाज में शादी के बाद लड़की को सबसे पहले जो सलाह दी जाती है, वह होती है-

"थोड़ा एडजस्ट कर", "हर घर में ऐसा होता है", "समय के साथ सब ठीक हो जाएगा", लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि आखिर उसके भीतर क्या टूट रहा है। एक लड़की अपना घर, अपना परिवेश, अपने सपने और कई बार अपनी पहचान तक बदल देती है। ऐसे में उसे सबसे ज्यादा जरूरत होती है अपनापन, संवाद और भावनात्मक सुरक्षा की। पर विडंबना यह है कि शादी के बाद उसकी बातें सुनने वाला शायद ही कोई होता है। अगर वह अपनी पीड़ा कहे तो उसे कमजोर, ज़िद्दी या "घर न संभाल पाने वाली" कह दिया जाता है। यही चुप्पी धीरे-धीरे एक ऐसे अंधेरे में बदल जाती है जहाँ उसे अपना अस्तित्व बोझ लगने लगता है। हम समय के साथ तकनीक में तो बहुत आगे बढ़ गए हैं। मोबाइल बदल गए, सोचने के तरीके बदल गए, दुनिया डिजिटल हो गई, लेकिन क्या सच में हमारी मानसिकता बदली? आज भी कई घरों में लड़के और लड़की में फर्क किया जाता है। यह बहुत कड़वी सच्चाई है कि आज भी कहीं बेटी के जन्म पर चेहरे उतर जाते हैं, और अनजाने में ही एक आह निकल पड़ती है - "काश बेटा होता", शायद यही डर अब कई लड़कियों के भीतर घर करता जा रहा है।

कई महिलाएँ माँ बनने से डरती है। अगर पहली संतान बेटी हो जाए, तो दूसरी बार भी उनके मन में भय रहता है — "कहीं फिर बेटी न हो जाए" सोचिए, उस स्त्री के मन में कितने सवाल, कितने तूफान चलते होंगे - पर शायद ही कोई उन्हें समझने की कोशिश करता है।

एक लड़की जब अपने परिवार के लिए त्याग करती है, अपने सपनों को पीछे छोड़ देती है, अपनी इच्छाओं को दबा देती है, तब अक्सर उसके बलिदान को बहुत सहजता से यह कहकर किनारे कर दिया जाता है -"उसकी अपनी मर्जी थी, हमने तो रोका नहीं था", लेकिन सच यह है कि हर इंसान को सिर्फ शब्दों में नहीं, भावनाओं में सम्मान चाहिए होता है। कोई पहचान मंचों पर नहीं मांगता, वह लोगों की नजरों में अपना महत्व महसूस करना चाहता है। दुख की बात यह भी है कि शादी के बाद एक लड़की से उम्मीद की जाती है कि उसमें हर परिस्थिति को संभालने की समझ हो, हर रिश्ते को निभाने का धैर्य हो, हर समस्या का समाधान हो। लेकिन उसी परिवार के अपने बेटे अक्सर "अभी बच्चे हैं", "समझदार नहीं हैं" कहकर बचा लिए जाते हैं। फिर एक दिन ऐसा आता है जब उस लड़की के सब्र का बांध टूट जाता है। जब उसे आगे कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। जब उसकी बात सुनने वाला, उसकी पीड़ा बाँटने वाला कोई नहीं होता। तब उसके भीतर दबे हुए शब्द, वर्षों का दर्द, अपमान और गुस्सा एक साथ बाहर आने लगता है। और उस अवस्था में शायद उसे यह दुनिया भी अच्छी नहीं लगती, कई बार वह खुद को भी अच्छा नहीं समझ पाती। उसे कुछ समझ नहीं आता, किसी की परवाह नहीं रहती, क्योंकि भीतर से वह पूरी तरह टूट चुकी होती है। हमें यह समझना होगा कि हर बार मोमबत्ती जलाने से पहले, हर न्याय की मांग से पहले, समाज को आत्ममंथन की जरूरत है।

आज बहुत-सी लड़कियाँ पढ़-लिखकर, आत्मनिर्भर बनने के बाद भी विवाह से डरती हैं। और समाज उन्हें ताना देता है -"ज़्यादा पढ़ ली है इसलिए भाव बढ़ गए हैं" लेकिन शायद बात "भाव" की नहीं, भय की है। उन्हें डर है उस जीवन से जहाँ उनकी भावनाओं से ज्यादा "समाज क्या कहेगा" को महत्व दिया जाएगा। यह कड़वा है, लेकिन सच है कि हमारे समाज में आज भी कई जगह गलती परिस्थितियों की नहीं, सीधे लड़की की मान ली जाती है। "वह चुप रहे तो गलत, बोले तो गलत, सहन करे तो कमजोर और विरोध करे तो संस्कारहीन।" फिर हम हैरान होते हैं कि आखिर कोई इतना बड़ा कदम क्यों उठा लेता है।

सिर्फ बेटियों की काउंसलिंग काफी नहीं है, समाज की काउंसलिंग भी उतनी ही आवश्यक है।

जरूरत पूरे समाज को संवेदनशील बनाने की है — परिवारों को, रिश्तेदारों को, पड़ोसियों को, और सबसे ज्यादा उस मानसिकता को जो आज भी भावनाओं से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है। अगर सच में बदलाव चाहिए, तो जागरूकता सिर्फ सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

घर-घर में संवाद होना चाहिए। बेटियों को "समझाने" से पहले उन्हें "समझना" सीखना होगा। रिश्तों में अधिकार से ज्यादा सम्मान देना होगा। और यह स्वीकार करना होगा कि मानसिक पीड़ा भी उतनी ही वास्तविक होती है जितना शरीर का घाव।

नई पीढ़ी सब देख रही है, सब समझ रही है। अगर आज भी हम नहीं बदले, तो आने वाला समय और भी भयावह हो सकता है। अभी भी समय है — संभलने का, सोच बदलने का, और एक ऐसा समाज बनाने का जहाँ बेटियाँ सिर्फ जीवित न रहें, बल्कि सम्मान और अपनत्व के साथ जी भी सकें।

योग और खजुराहो दोनों भारतीय संस्कृति के हैं अभिन्न स्तंभ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विश्व धरोहर खजुराहो में हुआ "योग महोत्सव 2026"

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम को वीडियो संदेश से किया संबोधित

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय योग परम्परा को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर स्वस्थ, जागरूक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि योग और खजुराहो, दोनों ही सदियों से भारतीय संस्कृति के अभिन्न स्तंभ रहे हैं। हमारी सरकार योग के प्रचार के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। योग को प्रदेश के घर-घर तक पहुंचाने के लिए आयुष विभाग द्वारा इन दिनों ''घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग" अभियान भी चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के 25 दिवसीय काउंटडाउन के अवसर पर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में आयोजित "योग महोत्सव 2026" कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया।

वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योग आज सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि 'वन अर्थ-वन हेल्थ' की भावना को साकार करने वाला जीवन दर्शन बन चुका है। मध्यप्रदेश सरकार घर-घर योग हर व्यक्ति निरोध के भाव से योग और आयुष चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। आयुष विभाग के माध्यम से आरोग्य मंदिरों, योग वेलनेस सेंटर्स और विभिन्न जनजागरुकता की गतिविधियों के माध्यम से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सफल अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले काउंटडाउन इवेंट से देशभर में लाखों लोग जुड़ रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी भी योग को सहर्ष स्वीकार कर रही है। हम योग को सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोड़कर एक स्वस्थ, जागरूक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सबके सहयोग से हम योग को हर नागरिक के जीवन का हिस्सा बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय का यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की राष्ट्रव्यापी तैयारियों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। यह कार्यक्रम योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति केन्द्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्र और राज्य सरकार के आयुष मंत्रालय के अधिकारियों और जिला प्रशासन, छतरपुर को खजुराहो में इस विशेष आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को केंद्रीय आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी और सांसद खजुराहो श्री विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया।

मंत्री श्री परमार ने कुआं हादसे में दिवंगत श्रमिकों के परिजन से की भेंट

भोपाल. उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को अजयगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा पहुंचकर गत मंगलवार को कुआं धसकने की हृदय विदारक घटना में दिवंगत पांच श्रमिकों के परिजनों से भेंट की। मंत्री श्री परमार ने शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाते हुए अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक एवं दुःखद दुर्घटना है, जिसने पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया है। दिवंगत श्रमिक अपने परिवारों के बेहतर भविष्य के लिए कठिन परिश्रम कर रहे थे। इस दुःख की घड़ी में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मंत्री श्री परमार ने आश्वस्त किया कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बेटियों की शिक्षा सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जाएगा।

पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम

पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य एवं परिवार की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता- डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा

गंभीर बीमारियों एवं ड्यूटी के दौरान घायल पुलिसकर्मियों को पीएचपीएस निधि से अधिकतम 14 लाख रुपये तक सहायता दी जा सकेगी

भोपाल. पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश पुलिस स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PHPS) न्यासी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पुलिसकर्मियों एवं उनके आश्रित परिवारजनों को अधिक प्रभावी, सरल एवं व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों एवं सुधारात्मक प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे नागरिकों की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समर्पित रहते हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य एवं परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा योजना में विशेष परिस्थितियों एवं मानवीय आधार पर हितकारी निर्णय लिए जा सकें, इसके लिए विशेष मामलों में निर्णय लेने हेतु विशेषाधिकार का प्रावधान भी आवश्यक है। उन्होंने सभी इकाई प्रमुखों को योजना अंतर्गत लंबित चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं उपचार संबंधी बिलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में स्वास्थ्य सुरक्षा योजना को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक संवेदनशील एवं व्यावहारिक बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान योजना के अंतर्गत आश्रित सदस्यों की पात्रता, कैशलेस उपचार की सुविधा, गंभीर बीमारियों के उपचार, आकस्मिक परिस्थितियों में चिकित्सा सहायता तथा उपचार प्रक्रिया को सरल बनाने जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त पुलिस कर्मचारियों पर आश्रित छोटे भाई-बहनों एवं दिव्यांगजनों को भी योजना का लाभ प्रदान करने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय उन कर्मचारियों के सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिन पर अपने छोटे भाई-बहनों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी है।

बैठक में प्रदेश के अधिक से अधिक शासकीय मान्यता प्राप्त निजी चिकित्सालयों को योजना से जोड़ने पर बल दिया गया, ताकि पुलिसकर्मियों को अपने जिले अथवा निकटतम क्षेत्र में कैशलेस उपचार की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सके। वर्तमान में प्रदेश के अंदर 55 तथा प्रदेश के बाहर 4 निजी चिकित्सालयों सहित कुल 59 अस्पतालों से योजना अंतर्गत अनुबंध किया गया है। सभी इकाई प्रमुखों को स्थानीय स्तर पर और अधिक अस्पतालों से समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

पुलिसकर्मियों के हित में एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया गया कि आकस्मिक परिस्थितियों, विशेष रूप से हार्ट अटैक एवं गंभीर सड़क दुर्घटना जैसी जानलेवा स्थितियों में यदि उपचार गैर-अनुबंधित अथवा गैर-मान्यता प्राप्त निजी अस्पताल में प्रारंभ करना पड़े, तो मरीज के स्थिर (Stable) होने तक वहां कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा सके।

बैठक में निर्णय पारित किया गया कि कानून-व्यवस्था ड्यूटी, अपराध विवेचना के दौरान हिंसा, पुलिस वाहन अथवा किराये के पुलिस वाहनों की दुर्घटना में घायल पुलिसकर्मियों सहित कैंसर, किडनी एवं लीवर ट्रांसप्लांट, ओपन हार्ट सर्जरी जैसे गंभीर उपचार मामलों में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बाद शेष राशि का भुगतान पीएचपीएस निधि से किया जाए। साथ ही कोमा अथवा पैरालिसिस की स्थिति में भी सहायता प्रदान की जाएगी। वर्तमान 50 प्रतिशत अंतर राशि को बढ़ाकर शत-प्रतिशत करने का प्रस्ताव है, जिसकी अधिकतम सीमा 14 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

बैठक में विभिन्न इकाइयों से प्राप्त सुझावों पर भी विस्तृत चर्चा की गई तथा पुलिसकर्मियों के हित में व्यावहारिक एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष पुलिस महानिदेशक श्री आदर्श कटियार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री ए. साईं मनोहर, श्री योगेश चौधरी, श्री सोलोमन यश कुमार मिंज उप पुलिस महानिरीक्षक श्री अवधेश गोस्वामी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रूही चंद्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सेवा प्रदायगी की दक्षता को करें मजबूतः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

डिजिटल तकनीक से मरीजों को समयबद्ध, सुगम एवं बेहतर उपचार का हो प्रदाय

जांच, पंजीयन, दवा वितरण एवं उपचार सेवाओं को डिजिटल रूप से किया जाएगा इंटरलिंक

भोपाल. उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सेवा प्रदायगी की दक्षता को और अधिक मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल प्रक्रियाओं के सरलीकरण तक सीमित न रहकर मरीजों को समयबद्ध, सुगम एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का माध्यम बने। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय में डिजीटल तकनीक के उपयोग से सशक्तीकरण की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की और प्रावधानों पर गहन विमर्श किया। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पतालों में जांच, पंजीयन, प्रिस्क्रिप्शन, दवा वितरण, भर्ती एवं डिस्चार्ज जैसी सेवाओं को आपस में डिजिटल रूप से जोड़ा जाए, जिससे मरीजों को एकीकृत एवं सहज स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें।

आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री धनराजू एस ने प्रदेश में प्रस्तावित डिजिटल हेल्थ ट्रांसफॉर्मेशन एवं स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ीकरण की चरणबद्ध कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि ओपीडी, आईपीडी, वाइटल्स, प्रिस्क्रिप्शन, फार्मेसी, लैबोरेटरी इंफॉर्मेशन सिस्टम (एलआईएस), रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) और डिस्चार्ज सेवाओं को चरणबद्ध रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार पोर्टल एवं सॉफ्टवेयर विकास, अस्पतालों की आवश्यकताओं का निर्धारण, मरीजों की डिजिटल यात्रा (पेशेंट जर्नी) का निर्धारण और चिकित्सकीय टेम्पलेट्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। ओपीडी, वाइटल्स, प्रिस्क्रिप्शन एवं फार्मेसी मॉड्यूल विकसित किए जाएंगे और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण एवं जिला स्तरीय ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए जाएंगे।

आईपीडी एडमिशन एवं डिस्चार्ज मॉड्यूल सहित अस्पतालों में डेमो वर्जन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ प्रणाली का अभ्यास कर सकें। अगले चरण में चयनित मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में प्रथम पायलट चरण प्रारंभ करने का प्रस्ताव है। इसके साथ लैबोरेटरी इंफॉर्मेशन सिस्टम (एलआईएस) के एकीकरण, प्रशिक्षण सत्रों तथा जिला स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा केंद्रों की स्थापना की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात अन्य मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों तक व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा तथा रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) का एकीकरण किया जाएगा। विभिन्न मॉड्यूल्स को चरणबद्ध रूप से लाइव करने तथा दिसंबर तक प्रदेशव्यापी रोलआउट की तैयारी की जाएगी।

डिजिटल हेल्थ सिस्टम के माध्यम से जांच, पंजीयन, दवा वितरण एवं उपचार संबंधी सेवाओं को एकीकृत किया जाएगा, जिससे मरीजों को अस्पतालों में अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही डेटा आधारित मॉनिटरिंग एवं जवाबदेही व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में हीमोडायलिसिस सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी विशेष तैयारी योजना प्रस्तुत की गई। योजना के अंतर्गत पुराने एवं जर्जर हो रहे उपकरणों को चरणबद्ध रूप से प्रतिस्थापित करने और आवश्यकता अनुसार नई मशीनों एवं सुविधाओं को सशक्त करने की दिशा में कार्य किया जाएगा, जिससे गंभीर किडनी रोगियों को बेहतर एवं निरंतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक बर्णवाल सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

"सार्वजनिक वितरण प्रणाली में स्वचालन के साथ आय" योजना के लिए मंजूरी सराहनीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सार्थक-पीडीएस फेज-2 के लिए 25 हजार 530 करोड़ की मंजूरी देने पर आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि "राशन परिवहन और प्रबंधन में सहायता- सार्वजनिक वितरण में स्वचालन के साथ आय" की यह पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सार्थक- पीडीएस योजना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के उपयोग से राशन वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह निर्णय गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत एक दशक में टीपीडीएस के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण, पीडीएस के एकीकृत प्रबंधन (आईएम-पीडीएस) और स्मार्ट पीडीएस जैसी कई डिजिटलीकरण पहलों को लागू करने के साथ ही मेरा राशन, अन्न मित्र, राइटफुल टारगेटिंग डैशबोर्ड और अन्न सहायता जैसी नागरिक-केंद्रित प्राथमिकताओं को भी लागू किया गया है। राशन कार्ड डिजिटलीकरण, आधार सीडिंग, ई-पीओएस के माध्यम से एफपीएस स्वचालन, ऑनलाइन आवंटन और कम्प्यूटरीकृत आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन को सक्षम बनाते हुए प्रौद्योगिकी-आधारित अनेक सुधारों की पहल कर ऐतिहासिक कार्य किया गया है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

विगत एक सप्ताह में लगभग 80 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ एवं संपत्ति जब्त

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस् द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों एवं नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में विभिन्न जिलों में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए विगत एक सप्ताह में 80 लाख रूपए से अधिक मूल्य के अवैध मादक पदार्थ सहित संपत्ति जब्त की हैं।

मंदसौर : जिले की नारायणगढ़ पुलिस द्वारा पुलिस पर फायर कर भागने वाले अंतर्राज्यीय डोडाचूरा तस्करों के विरुद्ध बडी कार्यवाही करते हुए 252 किलोग्राम डोडाचूरा डोडाचूरा, एक देशी पिस्टल मय राउण्ड, मोबाइल फोन तथा कार सहित लगभग 20 लाख 51 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

वहीं थाना शामगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी के खेत में संतरे के बगीचे के बीच छुपाकर लगाए गए 384 गांजा पौधे जब्त किए। एक अन्य कार्रवाई में आरोपी से 68 ग्राम एमडी ड्रग्स पाउडर एवं 05 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया गया। दोनों कार्रवाई में लगभग 2 लाख 3 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

गुना : जिले में मृगवास थाना पुलिस ने राजस्थान से अफीम तस्करी कर रहे बाइक सवार दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 किलो 10 ग्राम अफीम एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 11 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है। एक अन्य कार्रवाई में भी मृगवास थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर 04 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 10 किलो 157 ग्राम अवैध गांजा एवं दो मोटरसाइकिल सहित लगभग 7 लाख 20 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार दोनों कार्रवाई में मृगवास थाना पुलिस ने 18 लाख 20 हजार रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

शिवपुरी : जिले के थाना करैरा पुलिस ने अवैध स्मैक बेचने आए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 43.06 ग्राम स्मैक जप्त की, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख 60 हजार रूपए है।

राजगढ़ : जिले में ऑपरेशन "शुद्धि" के तहत थाना भोजपुर पुलिस ने 46.50 ग्राम अवैध स्मैक सहित आरोपी को गिरफ्तार कर लगभग 4 लाख 60 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की। इसी

प्रकार एक अन्य कार्रवाई में 35 ग्राम अवैध स्मैक के साथ 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 लाख 50 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार दोनों कार्रवाई में भोजपुर पुलिस ने 8 लाख 10 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

भोपाल : क्राइम ब्रांच ने ट्रेन से भोपाल पहुंचे गांजा तस्करों के गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 05 महिलाओं सहित 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी घरेलू सामान की आड़ में लगभग 36 किलो गांजा भोपाल सप्लाई करने लाए थे। कार्रवाई में लगभग 4 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

वहीं एक अन्य कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने 7 किलो 670 ग्राम गांजा एवं मोबाइल फोन के साथ आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लगभग 2 लाख 30 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

जीआरपी जबलपुर / शहडोल : नशे के विरुद्ध लगातार अभियान चलाते हुए जीआरपी शहडोल द्वारा ट्रेन में तस्करी कर ले जाया जा रहा 41 किलो गांजा जब्त किया गया। जप्त संपत्ति की अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख रुपये है।

दमोह : जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पटेरा पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 02 किलो 864 ग्राम अवैध गांजा एवं एक मोबाइल फोन सहित लगभग 40 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। वहीं एक अन्य कार्रवाई में थाना पटेरा पुलिस ने ही कार्रवाई करते हुए 10 किलो 900 ग्राम गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लगभग 1 लाख 62 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार दोनों कार्रवाई में पटेरा पुलिस ने 2 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

मैहर : जिले में विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 4.6 ग्राम अवैध स्मैक पाउडर एवं परिवहन में प्रयुक्त कार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 1 लाख 70 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

नरसिंहपुर : "ऑपरेशन ईगल क्लॉ" के तहत नरसिंहपुर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 11.28 ग्राम अवैध स्मैक सहित लगभग 1 लाख 30 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

अनूपपुर : जिले में थाना जैतहरी पुलिस ने 8 किलो 207 ग्राम अवैध गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 56 हजार रूपए है।

सीधी : जिले में ऑपरेशन "प्रहार 2.0" के तहत थाना जमोड़ी पुलिस ने 3 हजार 480 प्रतिबंधित ONEREX कफ सिरप जब्त की। कफ सिरप की अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख 96 हजार रूपए है।

रीवा : जिले में थाना सगरा पुलिस ने नशे के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 115 शीशी अवैध ऑनरेक्स नशीली कफ सिरप एवं टीवीएस स्कूटी सहित 1 लाख 13 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा समाज को नशामुक्त बनाने एवं युवाओं को मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने हेतु कठोर वैधानिक कार्रवाई निरंतर की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना अथवा डायल-112 को दें।

क्राइम ब्रांच इंदौर एवं पुलिस थाना विजयनगर की संयुक्त कार्यवाही

वाहन चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय शातिर गिरोह के 03 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। शहर में वाहन चोरी की की वारदातों पर अंकुश लगाने तथा संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) एवं पुलिस उपायुक्त (जोन-2) के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच टीम तथा थाना विजयनगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से मुखबिर तंत्र सक्रिय कर सूचना संकलन किया गया।

इसी दौरान संयुक्त टीम को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ संदिग्ध युवक मेघदूत गार्डन एवं विजयनगर क्षेत्र में बिना नंबर की तथा संदेहास्पद मोटरसाइकिलों के साथ घूम रहे हैं और उन्हें औने-पौने दामों में बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए क्राइम ब्रांच एवं थाना विजयनगर की संयुक्त टीम द्वारा घेराबंदी कर उक्त तीनों आरोपियों (मोहित, विशेष कोरी और निशांत सुनहरे) को

धरदबोचा।

पकड़े गए आरोपियों से जब वाहनों के दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ की गई, तो वे कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। विस्तृत पूछताछ करने पर आरोपियों ने विजयनगर, परदेशीपुरा, कनाडिया, सावेर और देवास नाका क्षेत्रों से विभिन्न तिथियों में मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर उनके कब्जे से कुल 09 चोरी की मोटरसाइकिलें जप्त की गईं, जिनमें से कई वाहन थाना विजयनगर के अपराध क्रमांक 466/2026 एवं 365/2026 धारा 303(2) BNS 2023 एवं थाना परदेशीपुरा के अपराध क्रमांक 289/2026 धारा 303(2)के तहत दर्ज मामलों से संबंधित हैं।

आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, जहाँ से अन्य चोरियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ हेतु रिमांड लिया जाएगा, जिसमें विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

प्रमुख घटना स्थल:मेघदूत गार्डन विजयनगर, बड़ी भमौरी, परदेशीपुरा, कनाडिया एवं सावेर क्षेत्र, इंदौर।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण -

1. मोहित वर्मा, उम्र 18 साल, निवासी- परदेशीपुरा, इंदौर।
2. विशेष कोरी उम्र 18 साल, निवासी- पटेल कालोनी, अरविंदो हॉस्पिटल के पास, इंदौर।
3. निशांत सुनहरे उम्र 18 साल, निवासी- एम.आर. 10 शारदा नगर, इंदौर।

उज्जैन के डायल-112 हीरोज

घर की राह भटके मानसिक रूप से अस्वस्थ बालक को सुरक्षित संरक्षण में लेकर थाने पहुँचाया

भोपाल. उज्जैन जिले के थाना चिंतामन गणेश क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता एवं तत्पर कार्यवाही से घर का रास्ता भटक गए मानसिक रूप से अस्वस्थ 10 वर्षीय बालक को सुरक्षित संरक्षण में लेकर थाना पहुँचाया गया।

26 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना चिंतामन गणेश क्षेत्र अंतर्गत कंदरिया चौराहा के पास एक मानसिक रूप से अस्वस्थ बालक अकेला मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया है तथा पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त

होते ही तत्काल चिंतामन गणेश थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया।

डायल-112 स्टाफ आरक्षक श्री सागर सिंह एवं पायलट श्री लाल सिंह ने मौके पर पहुंचकर बालक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। डायल-112 जवानों ने बालक से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया, किन्तु मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण वह अपने परिजनों के संबंध में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा था।

डायल-112 जवानों ने बालक को सुरक्षित डायल 112 वाहन में बैठाकर आसपास क्षेत्र में परिजनों की तलाश एवं पूछताछ की, किन्तु परिजनों के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। इसके बाद डायल-112 टीम द्वारा बालक को सुरक्षित थाना चिंतामन गणेश पहुँचाया गया।

सदानीरा समागम का शुभारंभ

भोपाल. जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति, पंचमहाभूतों तथा सतत् विकास के विषयों पर केन्द्रित 'सदानीरा समागम' का शुभारंभ भारत भवन में हुआ।

शुभारंभ अवसर पर अपर मुख्य सचिव संस्कृति, धार्मिक न्यास और धर्मस्व एवं सामान्य प्रशासन श्री शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यह आयोजन जल, प्रकृति और मानव सभ्यता के संबंधों पर केंद्रित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय चिंतन-यात्रा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश जल संरक्षण और जल आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। भारतीय संस्कृति में जल जीवन, चेतना और सभ्यता का आधार है तथा सदानीरा समागम परंपरागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

ग्राम स्तर तक नियुक्त होंगे "बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी" कानून के सख्त क्रियान्वयन की नई व्यवस्था लागू

बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है।

राज्य सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को "बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी" के रूप में अधिसूचित किया है। यह निर्णय बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 16 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत लिया गया है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे बाल विवाह की रोकथाम, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जिला कलेक्टर से पटवारी तक की जवाबदेही तय

इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब बाल विवाह रोकने के लिए एक बेहद मजबूत और त्रि-स्तरीय से भी बड़ा प्रशासनिक तंत्र काम करेगा। जिला स्तर पर इसकी कमान जिला कलेक्टर , अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संभालेंगे, जबकि अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह तहसील स्तर पर तहसीलदार और सभी नायब तहसीलदारों को कानूनन सशक्त बनाया गया है। ब्लॉक स्तर पर मोर्चा संभालते हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सेक्टर स्तर पर निगरानी रखने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों और महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव जमीनी स्तर पर करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पटवारी को और शहरी क्षेत्रों में नगर पालिक निगमों के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस कानून को लागू करने का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा छोटे शहरों की नगर पालिका परिषदों और नगर परिषदों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, उप राजस्व निरीक्षक और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया। ग्राम स्तर तक प्रशासनिक जवाबदेही तय होने से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को बेहतर संरक्षण मिलेगा।

तुरंत एफआईआर और कार्रवाई

अब अगर कहीं से भी बाल विवाह की सूचना मिलती है, तो वहां के पटवारी या सेक्टर पर्यवेक्षक कानूनी तौर पर सीधे दखल दे सकेगा और उसे रोकने के लिए अधिकृत होगा। अधिकारियों की इतनी बड़ी चेन होने से अब शादियों के सीजन में 'चाइल्ड मैरिज' पर पूरी तरह से नकेल कसी जा सकेगी। यह कदम महिला एवं बाल विकास विभाग और राजस्व विभाग के आपसी समन्वय से बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा में एक गेम-चेंजर साबित होगी। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यात्री बसों और अन्य वाहनों पर आरटीओ की सख्त कार्रवाई

सघन जांच अभियान में 65 हजार 500 रुपये जुर्माना वसूला

इन्दौ. परिवहन आयुक्त श्री उमेश जोगा एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार आरटीओ इंदौर तथा संभागीय परिवहन उड़नदस्ता इंदौर द्वारा यात्री बसों एवं अन्य वाहनों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान विभिन्न वाहन संचालकों से कुल 65 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। आरटीओ इंदौर द्वारा धार रोड, राऊ एवं पीथमपुर क्षेत्र में यात्री वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। साथ ही वाहनों का तकनीकी निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया गया कि वे फिटनेस एवं परमिट की शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

अभियान के दौरान फायर सेफ्टी उपकरणों एवं स्पीड गवर्नर

की कार्यप्रणाली भी जांची गई। अधिकारियों ने यात्रियों से फीडबैक लेकर यह भी जानकारी प्राप्त की कि वाहन चालक तेज गति से वाहन तो नहीं चला रहे हैं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग तो नहीं करते हैं।

यह कार्रवाई आरटीओ श्री प्रदीप शर्मा एवं परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी श्री आकाश सिटोले के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल एवं शैक्षणिक संस्थाओं की बसों में सुरक्षा मानकों की पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु इंदौर जिले में स्कूली एवं कॉलेज वाहनों की आकस्मिक जांच का अभियान लगातार जारी रहेगा।

पीएम सूर्य घर योजना में 39 हजार 975 उपभोक्ता ओं के खातों में पहुंची 311 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

योजना में तीन किलोवॉट के सौर संयंत्र लगाने पर मिल रही 78 हजार की सब्सिडी

इन्दौर. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत आने 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल 39 हजार 975 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं।

इनके खातों में 311 करोड़ 64 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं।

गौरतलब है कि इस योजना में एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है।

कहां करें आवेदन

पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। योजना में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट pmsuryaghar.gov.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in अथवा उपाय ऐप, वॉट्स ऐप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सब्सिडी मिले इसके लिए वेंडर और उपभोक्ता दोनों को ध्यान रखना होगा कि उनके बैंक खाते में नाम, आधार कार्ड में नाम तथा बिजली बिल में नाम एक समान होना चाहिए। गौरतलब है कि 1 दिसंबर 2024 से स्थापित होने वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सौर संयंत्रों में केवल स्मार्ट मीटर ही लगाए जा रहे हैं, जो कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एस.ओ.आर. रेट पर उपभोक्ताओं को प्रदान किए जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं द्वारा सोलर वेंडर को किए जाने वाले भुगतान में लगभग 6 से 8 हजार रूपये तक की कमी परिलक्षित हो रही है।

"श्रम प्रहरी" बन अपंजीकृत संस्थानों की जानकारी देकर श्रमिक कल्याण में करें योगदान

टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर दे सूचना

इन्दौर. श्रमिकों को सुरक्षित कार्यदशाएं और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आम नागरिक 'श्रम प्रहरी' के रूप में आगे आकर अपंजीकृत संस्थानों और निर्माण स्थलों की गोपनीय सूचना दे सकते हैं, जिससे श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक सुचारू रूप से पहुँचाया जा सके। श्रमिकों के हितों के संरक्षण और कार्यस्थल पर उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए सभी संस्थानों एवं निर्माण स्थलों का श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीयन होना अनिवार्य है, पंजीकरण न होने की स्थिति में श्रमिक सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। श्रम विभाग द्वारा कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए वर्तमान में संचालित व पंजीकृत निर्माण कार्यों , अति-खतरनाक और अन्य कारखानों की ऑनलाइन सूची विभाग के आधिकारिक पोर्टल labour.mp.gov.in पर सार्वजनिक कर दी गई है। आम नागरिक इस पोर्टल पर जाकर पंजीकृत संस्थानों की जांच कर सकते हैं और यदि कोई भी संस्थान या निर्माण स्थल अपंजीकृत पाया जाता है, तो वे 'श्रम प्रहरी' की भूमिका निभाते हुए इसकी सूचना टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर दे सकते हैं।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे पर प्रभावी कार्यवाही लगातार जारी

आईपीएल (IPL) क्रिकेट मैच के महामुकाबले पर चल रहे 'इंटरनेशनल ऑनलाइन सट्टे' का पर्दाफाश; 08 हाईटेक सटोरिये गिरफ्तार

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की आईपीएल (IPL) क्रिकेट के ऑनलाइन सट्टे से संबंधित यह लगातार चौथी कार्यवाही है, जिसमे अब तक कुल 04 प्रकरणों में 19 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार।

इंदौर शहर में अवैध गतिविधियों और संगठित सट्टेबाजी में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के सख्त निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के अनुक्रम में अति पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच द्वारा टीम गठित कर लगातार गोपनीय रूप से आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 26 मई 2026 की रात, थाना प्रभारी अपराध शाखा और उनकी टीम इलाका भ्रमण पर थी। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि मकान नंबर 236, बापजीनगर, इंदौर की पहली मंजिल पर एक बड़ा गिरोह आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टे का अवैध कारोबार संचालित कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर, पुलिस टीम ने तत्काल विधिवत उक्त मकान पर अचानक दबिश दी। पुलिस जब कमरे में दाखिल हुई तो वहां अफरा-तफरी मच गई। दीवार पर लगी बड़ी LED TV पर

मैच चल रहा था और 08 युवक लैपटॉप, दर्जनों मोबाइल और वाई-फाई राउटर के जरिए लगातार सट्टा बुक कर रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे 'Premium Clients Book' नामक इंटरनेशनल वेबसाइट के जरिए कसीनो और क्रिकेट मैच का ऑनलाइन सट्टा चलाकर अवैध रूप से लाखों रुपये कमा रहे थे।

पुलिस कार्यवाही -

आरोपियों का कृत्य एक सुनियोजित और संगठित सिंडिकेट पाए जाने के कारण,थाना अपराध शाखा में आरोपियों के विरुद्ध *भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 112(1) पब्लिक गेम्बलिंग (मध्यप्रदेश) एक्ट, 1976 की धारा 4(क) और सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम की धारा 66* के तहत अपराध क्रमांक 0078/2026 दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

सनसनीखेज खुलासे

IPL का 'डिजिटल ब्लैक मार्केट': रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलुरु (RCB) बनाम गुजरात जाईट्स (GT) के मैच पर प्रति गेंद और प्रति ओवर लगाया जा रहा था हार-जीत का दांव।

हवाला और कॉइंस का खेलः सटोरिये अलग-अलग बैंक खातों में ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करवाकर ग्राहकों को सीक्रेट आईडी और पासवर्ड जनरेट करके देते थे।

हिसाब-किताब का 'काला रजिस्टर'

छापे के दौरान पुलिस को सट्टे के करोड़ों के लेनदेन का ब्योरा समेटे हुए रजिस्टर और 13 अलग-अलग बैंकों के डेबिट कार्ड मिले हैं।

अंतराष्ट्रीय गैंग सक्रियः पकड़े गए आरोपी सिर्फ मध्य प्रदेश , ओडिशा (खुर्दा, नयागढ़) और जबलपुर ही नहीं बल्कि दुबई तक संपर्क रख कर रहे थे ऑपरेट, जो इंदौर को अपना सेफ हाउस बनाकर सिंडिकेट चला रहे थे।

जप्त की गई सामग्री- कुल जप्त मश्रुका का अनुमानित मूल्य- 10,57,000/-

23 एंड्रॉइड व आईफोन (iPhone) (विभिन्न कंपनियों के सिम कार्ड सहित)

03 लैपटॉप (HP, Dell और ASUS कंपनी के मय चार्जर) 01 हायर (Haier) कंपनी की 55 इंच की बड़ी स्मार्ट LED टीवी 01 एयरटेल कंपनी का हाई-स्पीड वाई-फाई राउटर मय चार्जर 13 डेबिट कार्ड (अलग-अलग बैंकों के, जिनका उपयोग फंड ट्रांसफर के लिए होता था)

सट्टे के हिसाब-किताब के 04 लेनदेन रजिस्टर जिनसे लगभग 15 खातों की जानकारी मिली जो कि निम्न बैंको से संबंधित है। - (Bank of Maharashtra, union Bank , Utkarsh Bank, CSB bank DVSB bank, Jharkhand gramid bank)

गिरफ्तार आरोपियों के नाम और विवरण (कुल 08 आरोपी):

1. राजेन्द्रदास (उम्र 23 वर्ष, निवासीः ग्राम कोलाथाडी, खुर्दा, ओडिशा; हाल मुकामः बापजीनगर, इंदौर)
2. रामास्वामी (उम्र 31 वर्ष, निवासीः बिलहेरी, जबलपुर, म.प्र.)
3. चिन्मयकुमार साहु (उम्र 24 वर्ष, निवासीः ग्राम महिपुर, नयागढ़, ओडिशा)
4. आनंद प्रधान (उम्र 22 वर्ष, निवासीः ग्राम बालीतोटासाही, खुर्दा, ओडिशा)
5. अविनाश ठाकुर (उम्र 29 वर्ष, निवासीः तीसरा पुल कैंट, जबलपुर, म.प्र.)
6. कुणालदास (मुख्य आरोपी) (उम्र 28 वर्ष, निवासीः न्यू रामनगर, आधारताल, जबलपुर; हाल मुकामः बापजीनगर, इंदौर)
7. शशांक नेगी (उम्र 29 वर्ष, निवासीः समदडिया काम्पलेक्स, साउथ सिविल लाईन, जबलपुर, म.प्र.)
8. विकास विश्वाल (उम्र 21 वर्ष, निवासीः जयदेव विहार, भुवनेश्वर, ओडिशा; हाल मुकामः बापजीनगर, इंदौर)

आरोपी ज्यादातर प्राइवेट जॉब जैसे स्वीगी/जॉमेटो/रेपिडो आदि में काम करते थे एवं लो प्रोफाइल में रह कर अपनी पहचान छुपाये हुए थे।

अग्रिम जांचः इस बड़े रैकेट की कड़ियों को खंगालने और इनके बैंक खातों को फ्रीज करने की विस्तृत विवेचना इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही है।

सराहनीय भूमिका - उक्त हाईटेक गिरोह को दबोचने में थाना प्रभारी एवं सहायक टीम की विशेष और अहम भूमिका रही।

जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करा रही प्रदेश सरकार : मंत्री डॉ. शाह

विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, कोचिंग और आधुनिक सुविधाओं से किया जा रहा सशक्त

इन्दौर. प्रदेश के जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनजातीय कार्य विभाग लगातार कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिये अनेक योजनायें संचालित की जा रही हैं। विभाग द्वारा हजारों स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों का संचालन किया जा रहा है, जहां लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया है कि सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जनजातीय समाज का हर बच्चा आधुनिक शिक्षा से जुड़े और अपने सपनों को पूरा कर सके। छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदेश में 17 हजार 794 प्राथमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 5 हजार 493 माध्यमिक विद्यालय, 1109 उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा 804 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा 8 आदर्श आवासीय विद्यालय एवं 82 माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा प्रदेश में 94 सांदीपनि विद्यालय और 26 क्रीड़ा परिसर संचालित किए जा रहे हैं। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजातीय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

प्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावास एवं आश्रमों में 1 लाख 49 हजार 104 विद्यार्थियों को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इनमें 92 हजार 547 बालक तथा 56 हजार 557 बालिकाएं शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति आश्रमों में 1078 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनमें 568 बालक और 510 बालिकाएं शामिल हैं। जूनियर छात्रावासों में 9 हजार 981 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। सीनियर छात्रावासों में 68 हजार 670 तथा महाविद्यालयीन छात्रावासों में 8 हजार 710 विद्यार्थियों को सुविधा दी जा रही है।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा है कि छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 5 हजार रुपये की खेलकूद सामग्री उपलब्ध कराई जाती हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 5 हजार रुपये तथा फर्नीचर एवं उपकरणों के लिए 50 हजार रुपये प्रतिवर्ष दिए जाते हैं। उत्कृष्ट छात्रावासों में विद्यार्थियों को 2 हजार रुपये तथा महाविद्यालयीन छात्रावासों में 1 हजार रुपये प्रतिवर्ष स्टेशनरी सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अलावा उत्कृष्ट छात्रावासों में विद्यार्थियों को प्रतिमाह 200 रुपये पोषण आहार के रूप में दिए जाते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।